।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600,224900
ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

जैन शासन का सार है समता–युवाचार्य महाश्रमण

–तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 27 जनवरी : तेरापंथ भवन के प्रज्ञासमवसरण में दैनिक प्रवचन करते हुये युवाचार्य महाश्रमण ने कहा समता धर्म है और विषमता अधर्म है। समता गृहस्थ व साधु दोनों के लिये अनुकरणीय है। सामायिक की साधना में एकता ही आधारभूत तत्त्व है। श्रावक–प्रतिक्रमण में आचार्य तुलसी ने एक पद्य में लिखा है जैन शासन के निरुपण का सार समता है। अर्हत वन्दना में कहा गया है समया धम्म मुदाहरे मुणि। भगवान ने समता धर्म बताया है। संत इसलिए सुखी है क्योंकि वे समता कि साधना करते है।

श्रीमद् भागवत् गीता के बारहवें अध्याय में श्री कृष्ण भी कहते हैं कि मुझे वह भक्त इष्ट है जो समतावान है। मित्र व शत्रु के प्रति सम रहता है, शीत व उष्ण में समता रखने वाला होता है। तथा आसक्ति से रहित होता है। ये सारे लक्षण किसी उच्च पुरुष या महापुरुष मे मिल सकते है। साधक को तो विशेष सजगता के साथ समता का विकास करना चाहिए। सुख और दुःख का करण हमारे पूर्वकृत पुण्य ओर पाप होते है। अन्य व्यक्ति निमित कारण बन सकते है किन्तु उपादान कारण पूर्व कर्म ही है। महात्मा बुद्ध के एक कांटा चुभा ओर उसका कारण यही था कि अनेक जन्मों पूर्व उन्होनें किसी को कष्ट दिया था। सम्मान व अपमान की स्थिति से भी समता का विकास करें।

तेरापंथ धर्मसंघ के चतुर्थ आचार्य जयाचार्य द्वारा रचित भिक्षु जश रसायन का वाचन प्रारंभ किया गया। इसमें आचार्य भिक्षु का जीवन वृत, अनेक दृष्टांत व तत्त्व–मीमांसा के सूत्र गुंफित है।

तेरापंथ महिला मंडल ने लहराया तिरंगा

राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ की अनुशासना में राष्ट्र उत्थान का कार्य करने वाली अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की एक शाखा श्रीडूँगरगढ़ तेरापंथ महिला मंडल ने 26 जनवरी को राष्ट्रीय एकता का सन्देश देते हुए गणतंत्र दिवस समारोह मनाया। मंडल की अध्यक्षा झिणकार देवी बोथरा एवं सुशीला देवी पुगलिया ने गणतंत्र दिवस समारोह में देश की आन बान शान तिरंगे को फहराकर देश के गौरव का गुणानुवाद किया। तेरापंथ कन्या मंडल ने गीत के द्वारा देश के प्रति अपनी निष्ठा एवं भक्ति दर्शाई। मंडल की मंत्री संगीता दुगड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया।

अग्रवाल समाज को आचार्य महाप्रज्ञ का संबोधन

गवर्नमेंट सेन्टर ऑफ कॉर्डियो वेस्क्यूलर साईन्स एंड रिसर्च के लोकार्पण कार्यक्रम का आमंत्रण पत्र लेकर पहुंचे हल्दीराम मूलचंद अग्रवाल परिवार के लगभग 30 प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए अणुव्रत अुनशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि जीवन की मूल्यवता को समझने वाला ही सफल बन सकता है। धर्म के मर्म को जानकर हम अपने आपको मानव उत्थान में नियोजित करें इसकी अपेक्षा है। स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज एवं स्वस्थ अर्थव्यवस्था से राष्ट्र को नई पहचान मिल सकेगी।

युवाचार्य महाश्रमण ने धनार्जन में प्रामाणिकता को साथ रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि समय बद्ध कार्य करने से जीवन नियमित रहता है। समय नियोजन की कला में संपूर्णता प्राप्त करनी चाहिए। इस मौके पर हल्दीराम अग्रवाल परिवार के द्वारा रिसर्च सेन्टर का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा लोकार्पण किये जाने की जानकारी दी। दिल्ली के कैलाशचंद जैन (आयकर कमीश्नर,दिल्ली) ने अपने विचार व्यक्त किये।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक